## क्या करें...

- आईएसआई प्रमाणित उपकरणों का प्रयोग करें।
- सही रेटिंग वाले गुणवत्तापूर्ण फ्यूजों, छोटे-छोटे सर्किट ब्रेकरों और अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकरों का प्रयोग करें।
- एक उपकरण के लिए एक ही सॉकेट का प्रयोग करें।
- आग प्रभावित क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति के स्विच को ऑफ कर दें।
- फ्यूज और स्विचों को धातु के बॉक्स के ऊपर फिट किया जाना चाहिए जिससे आग के बेहतर सुरक्षा मिलती है।
- टूटे हुए प्लगों और स्विचों को तत्काल बदल दें।
- बिजली के तारों को गर्म और भीगी सतहों से दूर रखें।
- उपकरणों को उपयोग में लाने के बाद उनके स्विच ऑफ कर दें और सॉकेट से प्लगों को निकाल दें।
- लम्बे समय के लिए घर को छोड़कर जाते समय मेन स्विच को ऑफ कर दें।

- घटिया किस्म के सामानों, उपकरणों का प्रयोग नहीं करें।
- अस्थायी वायरिंग कभी न कराएं या वायरिंग में जोड़ों को कभी खुला न छोड़ें।
- कालीन, चटाई या पायदान के अंदर से तारों को नहीं बिछाएं। तार टूट सकते हैं जिनके कारण शॉर्ट सर्किट हो सकता है।
- उपकरणों के कॉड्र्स को कभी लटका नहीं रहने दें।
- सॉकेट में कभी भी नंगा तार नहीं घुसाएं।

आग की रोकथाम के लिए
सावधानियाँ बरतें

# 101

नंबर पर डायल करें
या
अपने निकटतम अग्निशमन
केंद्र से सम्पर्क करें

सत्यमेव जयते

**महानिदेशालय, अग्नि सेवा, नागरिक सुरक्षा एवं होम गार्डस**
भारत सरकार गृह मंत्रालय
पूर्वी खंड–VII, लेवल–7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली–110066
टेलीफैक्स : 011 26196370
ईमेल : dgcdfire@gmail.com
Website : www.ndrfandcd.gov.in

मुद्रक : कृति, नई दिल्ली

*जनहित में जारी*

# बिजली से लगने वाली आग से बचाव के लिए सावधानियाँ

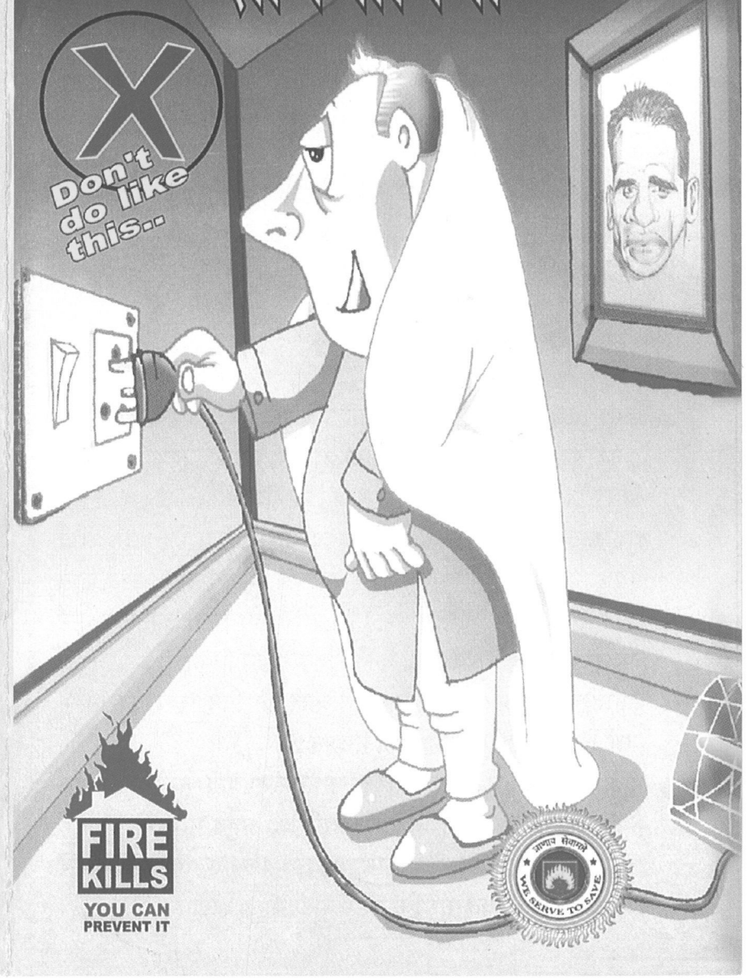

# बिजली से लगने वाली आग से बचाव के लिए सावधानियाँ...

आग लगने की दुर्घटना के प्रमुख कारणों में बिजली एक कारण है। शॉर्ट-सर्किट, अत्याधिक गर्मी पैदा होने, ओवरलोडिंग, घटिया उपकरणों के उपयोग, अवैध ढंग से बिजली के तार लगाने, गलत तरीके से की गई बिजली की वायरिंग, लापरवाही और अज्ञानता आदि के कारण 60 प्रतिशत मामलों में बिजली से आग लग जाती है। यदि आग से बचाव की सावधानियों का समुचित ढंग से पालन नहीं किया जाए तो यह आग गंभीर और जानलेवा हो सकती है। पर्याप्त अग्निरोधी सावधानियां बरत कर इस प्रकार की आग लगने की दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

इस पुस्तिका से आपको अपने घर के अंदर, बिजली के कारण, जोखिम वाले प्रमुख क्षेत्रों के बारे में पता चलेगा और आपको यह बताया जाएगा कि आप किस प्रकार आग की रोकथाम कर सकते हैं।

## 1. प्लग और फलेक्सेज

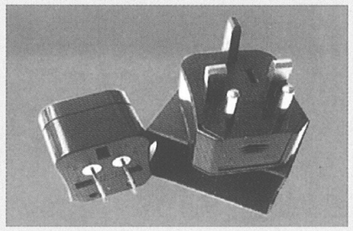

- कुछ विद्युत उपकरणों का डिजाइन ऐसा होता है जिन्हें हर समय ऑन रखना पड़ता है। विनिर्माता द्वारा दिए गए अनुदेशों की जांच कर लें अथवा यदि आपको इस बारे में संदेह हो तो उस दुकान में जा कर पता कर लें जहां से आपने उसे खरीदा है। अन्य सभी विद्युत उपकरणों के स्विच ऑफ कर देने चाहिए और उनके प्लग हटा देने चाहिए, जब वे इस्तेमाल में न हों। प्लग को सावधानी पूर्वक निकालें, उसके तारों को खींचकर नहीं निकालें।
- भारतीय मानकों का पालन करने वाले थ्री पिन प्लग का प्रयाग करें जिसमें आई एस आई का निशान हो।
- एक ही सॉकेट में बहुत सारे इडॉप्टरों का उपयोग करने से उस पर अधिक लोड पड़ता है जिसके कारण वह बहुत गरम हो जाता है और आग पकड़ लेता है। उत्तम गुणवत्ता वाला एडॉप्टर प्रयोग करें और यह सुनिश्चित करें कि उसमें सही फ्यूज लगा हो।

## 2. प्लग में तार लगाना

तार के रंगों के बारे में अच्छी तरह से समझ लें और यह ध्यान रखें कि प्लग को फिट करते समय विनिर्माताओं द्वारा दिए गए अनुदेशों का पूरी तरह से पालन किया गया हो।

## 3. फ्यूज/एमसीबी

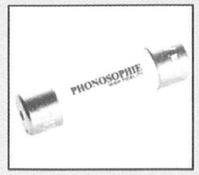


प्रयोग में लाए जा रहे उपकरणों के लिए हमेशा सही फ्यूज/एमसीबी का इस्तेमाल करें और विनिर्माता के अनुदेशों को पालन करें।

## 4. खाना पकाने के उपकरण

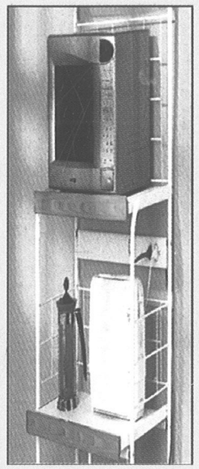

हमेशा इस बात का ध्यान रखें कि सॉसपेन या कड़ाही सुरक्षित स्थिति में रखी गई है। केतली और टोस्टरों जैसे विद्युत उपकरणों के तारों को खुली आग से उचित दूरी पर रखें और चाय पकड़ने वाले तौलिए आदि को कभी भी उन उपकरणों पर सूखने के लिए नहीं छोड़े। स्विच ऑन करने के बाद कड़ाही को वैसे ही नहीं छोड़ दें और विशेष कर तेल का वसा का उपयोग करते समय चिप पैन पर ध्यान दें। यह सुनिश्चित करें कि ओवन का प्रयोग करने के बाद उसके स्विच को ऑफ कर दिया है।

## 5. चेतावनी

- चेतावनी के संकेतों को पढ़ें।
- खतरनाक वायरिंग की जांच करें।
- गर्म प्लगों और सॉकेटों की जांच करें।
- ऐसे फ्यूज जो बिना कारण के उड़ जाते हैं, की जांच करें।
- बिजली से निकलने वाली चिंगारी की जांच करें।

- सॉकेटों और प्लगों पर झुलसने का चिन्ह पड़ जाता है। यदि आपको इस प्रकार के खतरनाक चिन्ह कहीं दिखें तो अपने इलेक्ट्रिशियन से घर की वायरिंग की पूरी तरह से जांच करने को कहें।

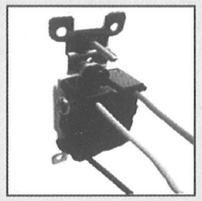

## 6. बिजली का ब्लैंकेट

- दुर्घटनावश ब्लैंकटो के स्विच ऑन हो जाने के कारण कई बार आग लग जाती है और लोगों की मृत्यु हो जाती है। सभी विद्युत उपकरणों के मामलों में यह महत्वपूर्ण है कि आप विनिर्माता के अनुदेशों का पालन करें। बिस्तर में सोने के लिए जाते समय यह देख लें कि ब्लैंकेट का स्विच ऑफ है या नहीं और इस सम्बन्ध में अनुदेशों की जांच कर लें।
- अंदर लगाए जाने वाले ब्लैंकेट हमेशा ही पलंग से बंधे होने चाहिए और सोने से पूर्व उसका स्विच ऑफ कर दिया जाना चाहिए।
- सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक ब्लैंकेट को सूखा और सीधा रखना चाहिए तथा प्रत्येक दो-तीन वर्षों में एक बार उनकी सर्विसिंग होनी चाहिए। जिस दुकान से आपने उसे खरीदा है वह आपको इसकी सर्विसिंग व्यवस्था बारे में बता सकते है।

## 7. हीटर

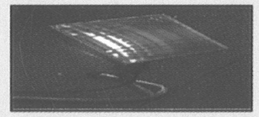

- यह ध्यान रखें कि आप आग सेंकने के लिए हीटर के पास बिल्कुल सट कर नहीं बैठें। ऐसा करने पर आपके कपड़े या आपकी कुर्सी में आसानी से आग लग सकती है, विशेषकर तब, जब आप बैठे-बैठे सो गए हों।
- हीटर को हमेशा ही सुरक्षित स्थान पर रखा जाना चाहिए, जहां उससे कोई चीज बार-बार न टकराए और वह बार-बार लड़खड़ाकर नहीं गिरे। हीटर को फर्नीचर और परदे तथा गद्दे जैसी मुलायम वस्तुओं से दूर रखें। हीटर को ऐसे स्थान पर रखें जहां उस पर इस प्रकार की वस्तुएं न गिरें। हल्के हीटरों को कभी भी पलंग से सटाकर नहीं रखा जाना चाहिए और न ही उससे कपड़े सुखाने चाहिएं। खुले में आग सेंकते समय यह ध्यान रखें कि सभी हीटरों को सुरक्षित घेरे में रखा गया है। यदि आपके घर में छोटे-छोटे बच्चे हों तो आप यह सुनिश्चित करें कि आपके हीटर के चारों ओर सुरिक्षित जाली लगी हो।